A.B.M College, Golmuri

ISC 2nd year INTER

Hindi core 'B'

पद्य खण्ड

पाठ का नाम : पद

कवि : सूरदास

ch=02

Q. : लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

Q.1 गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?

Ans गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते और तेल की मटकी से करते हुए कहती हैं कि जिस प्रकार कमल का पत्ता जल में ही रहता है, फिर भी उस पर पानी का छल्ला तक नहीं लग पाता, इसी प्रकार तेल की मटकी को पानी में रखने पर उस पर जल की एक बूंद तक नहीं ठहर पाती, ठीक वैसे ही उद्धव, कृष्ण के समीप रहते हुए भी उनके रूप के आकर्षण तथा प्रेम-बंधन से सर्वथा मुक्त हैं।

अर्थात साक्षात प्रेमस्वरूप श्री कृष्ण के पास रहकर भी वे उनके प्रेम से वंचित हैं, यह उनका दुर्भाग्य है।

Scanned with CamScanner

Q.2. कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?

Ans गोपियाँ उद्धव से कहती हैं कि हम निरंतर कृष्ण के ध्यान में उसी प्रकार निमग्न रहती हैं, जिस प्रकार दृष्टि पड़ी कहीं भी हो और किसी भी दशा में हो, सहारे के लिए अपने पंजों में कोई लकड़ी अथवा किसी तिनके को पकड़े रहता है। हमने अपने मन, कर्म और वचन से नंदनंदन कृष्ण को अपने हृदय में दृढ़ करके पकड़ लिया है। हमारा मन जागते, सोते, स्वप्नावस्था में, दिन-रात कृष्ण के नाम की रट लगाता रहता है।

अर्थात कृष्ण के नाम का स्मरण ही हमारा एकमात्र ध्येय रह गया है। तुम्हारे योग की बातें सुनकर ऐसा लगता है जैसे हमने कोई कड़वी ककड़ी मुँह में रख ली हो, योग-ज्ञान की बातें हमारे लिए उस बीमारी के तरह हैं जो आप हमें प्रदान कर रहे हैं। गोपियों के कहने का भाव यह है कि योग का उपदेश अस्थिर चित्त वाले लोगों के लिए ही उपयोगी है। उनका हृदय तो पहले से ही कृष्ण के प्रेम में पूर्णतया स्थिर है।

Scanned with CamScanner

Q.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

Q.3 गोपियाँ अपना मन कृष्ण से क्यों वापस पाना चाहती हैं?

Ans गोपियों ने यह अनुभव किया कि कृष्ण के राजनीति पढ़ लेने के कारण उनकी बुद्धि में और अधिक चतुराई आ गई है। गोपियाँ अपना मन कृष्ण से वापस पा लेना चाहती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कृष्ण अब पहले वाले नहीं रहे जिन्हें उन्होंने अपना मन सौंपा था। प्रेम-रस में मग्न रहने वाले कृष्ण अब गोपियों के लिए योग का संदेश भेज रहे हैं। वे राजधर्म का पालन न करते हुए उन्हें सताकर अन्याय कर रहे हैं।

Q.4 भोली-भाली गोपियों और चींटियों में क्या समानता दर्शायी गई है?

Ans भोली-भाली गोपियाँ अपने प्रिय कृष्ण की रूप-माधुरी पर मोहित होकर उनके प्रेम में इस प्रकार लीन हो गई हैं कि अब कभी भी उनसे विमुख नहीं हो सकतीं उनकी दशा उन चींटियों के समान हो गई है जो गुड़ पर आसक्त होकर उससे चिपट जाती हैं और स्वयं को कभी भी मुक्त नहीं कर पातीं, वहीं अपने प्राण त्याग देती हैं।

Scanned with CamScanner

Q.5 विरह रूपी अग्नि के दहक उठने का क्या कारण कविता में बताया गया है?

Ans श्री कृष्ण के वियोग में गोपियों का तन-मन अत्यधिक व्यथित हो गया है। परन्तु उन्हें आशा है कि कृष्ण अवश्य आएँगे। गोपियाँ कृष्ण के वियोग रूपी अग्नि में पहले से ही जल रही थीं। उन्हें यह आशा थी कि कृष्ण उनसे मिलने आएँगे। परन्तु कृष्ण ने उन्हें समझाने के लिए उद्धव को भेज दिया। जब उद्धव उन्हें योग का संदेश सुनाने लगे तब उनका विरहाकुल हृदय कृष्ण से मिलने के लिए और भी व्यग्र हो उठा और विरह रूपी अग्नि प्रबल होकर दहक उठी।

Q.6 गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए।

Ans गोपियों के अनुसार राजा का धर्म यह होना चाहिए की वह प्रजा को कभी भी सताए नहीं और निरंतर उनकी भलाई में लगा रहे। साथ ही वह अपनी प्रजा को अन्याय से छुटकारा दिलाए।

Scanned with CamScanner